Journal Homepage: www.ijarpr.com ISSN: 3049-0103 (Online)

International Journal of Advance Research Publication and Reviews

Vol 2, Issue 8, pp 9-21, August 2025

अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन- जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा तहसील का एक पायलट अध्ययन

शंकर लाल माथुर[1] , डॉ. रीना मजूमदार[2]

[1]शोधार्थी , सेठ आर सी एस कला एवम वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

[2]शोध निर्देशक, डॉ खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़

सारांशः

यह अध्ययन जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा तहसील में अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों के विश्लेषण पर केंद्रित है। कुल 140 उत्तरदाताओं का चयन व्यवस्थित प्रतिचयन पद्धति से किया गया तथा आंकड़ों का संग्रह संरचित प्रश्नावली के माध्यम से किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु काई-स्क्वेयर परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि दल की पहचान, उम्मीदवार की जाति, व्यक्तिगत व्यवहार तथा मीडिया का प्रभाव मतदान व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। इसके विपरीत लिंग, शिक्षा, राजनीतिक जागरूकता, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत एवं सरकारी लाभ की उम्मीद तथा पैसे का प्रभाव का मतदान व्यवहार पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पाया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाता मुख्यतः सामाजिक और राजनीतिक पहचान व मीडिया प्रभाव के आधार पर मतदान निर्णय लेते हैं, जबकि व्यक्तिगत लाभ व चुनावी प्रचार उनके निर्णय को निर्णायक रूप से प्रभावित नहीं करते।

शब्द कुंजी : अनुसूचित जाति, मतदान व्यवहार, दल की पहचान, उम्मीदवार जाति, व्यक्तिगत व्यवहार, मीडिया प्रभाव, व्यवस्थित प्रतिचयन, राजनीतिक जागरूकता, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ उम्मीद, पैसे का प्रभाव

प्रस्तावना

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान नागरिकों का एक मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ लोकतंत्र को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। मतदान व्यवहार वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत मतदाता चुनावों के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए किसी विशेष दल, उम्मीदवार अथवा मुद्दे के पक्ष में मतदान करता है। मतदाता व्यवहार का अध्ययन सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है क्योंकि यह न केवल मतदाताओं की

राजनीतिक प्राथमिकताओं को उजागर करता है, बल्कि चुनावी परिणामों, लोकतांत्रिक सहभागिता और शासन की दिशा को भी प्रभावित करता है। मतदान व्यवहार समय के साथ बदलता रहता है। सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक परिस्थितियाँ, शिक्षा का स्तर, संचार माध्यमों का विकास, राजनीतिक जागरूकता और नेतृत्व की छवि जैसे विभिन्न कारक इसमें प्रभाव डालते हैं। कौशल (2017) के अध्ययन के अनुसार, भारत में जाति आधारित पहचान, सामाजिक स्थिति और पारिवारिक प्रभाव जैसे कारक मतदान व्यवहार को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी प्रकार, यादव (1999) ने अपने अध्ययन में बताया कि भारतीय मतदाता अक्सर जातीय समूह, राजनीतिक दल की नीतियों और उम्मीदवार की छवि के आधार पर निर्णय लेते हैं। श्रीवास्तव (2021) का मानना है कि मीडिया प्रभाव, राजनीतिक दलों का प्रचार-प्रसार, व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा और सामाजिक प्रभाव जैसे तत्व भी मतदाताओं के निर्णय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

इस अध्ययन में मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले 12 प्रमुख कारकों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें लिंग, शिक्षा, दल की पहचान, उम्मीदवार जाति, राजनीतिक जागरूकता, व्यक्तिगत व्यवहार, मीडिया प्रभाव, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ उम्मीद और पैसे का प्रभाव शामिल हैं। ये सभी कारक भारतीय निर्वाचन परिदृश्य में मतदाता व्यवहार की दिशा और प्रकृति को प्रभावित करने में सक्षम माने जाते हैं।

सम्बंधित साहित्य का अध्ययन-

मतदान व्यवहार सामाजिक विज्ञान के अध्ययन का एक प्रमुख विषय है, विशेषकर तब जब यह अनुसूचित जाति जैसे सामाजिक रूप से वंचित समूहों के संदर्भ में किया जाए। विभिन्न शोधों ने यह स्पष्ट किया है कि भारतीय चुनावी राजनीति में जाति का प्रभाव आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह मतदाताओं के मतदान निर्णय, राजनीतिक प्राथमिकताओं और चुनावी भागीदारी को प्रभावित करता है।

मोरी और कुरोसाकी (2011) ने आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि आरक्षित सीटों पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के मतदाताओं की भागीदारी अधिक रहती है, जबकि अन्य वर्गों के मतदाताओं के मतदान व्यवहार में उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं होता। यह राजनीतिक आरक्षण प्रणाली के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

कर्जिए (2017) के अनुसार, मतदान व्यवहार विभिन्न जाति, वर्ग, धर्म और लिंग के अनुसार भिन्न-भिन्न पाया गया। उनके अध्ययन में स्पष्ट हुआ कि राजनीतिक परिस्थितियों और समय के साथ मतदाता व्यवहार में बदलाव आता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन हुए हों।

निराला (2020) के अध्ययन में यह दर्शाया गया कि अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों की राजनीतिक प्रक्रियाओं और निर्णय-निर्माण में भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। अध्ययन में पाया गया कि स्थानीय स्तर के चुनावों में इन वर्गों की भागीदारी उनकी आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता को बढ़ाने में सहायक रही है। अनुसूचित जाति वर्ग के लोग ग्राम पंचायत से लेकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के चुनावों में भाग लेते हैं, जिससे उनके सामाजिक विकास और राजनीतिक सशक्तिकरण का संकेत मिलता है।

पल्शिकर और मिश्रा (2023) ने जाति और वर्ग के संयुक्त प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए पाया कि उच्च सामाजिक एवं आर्थिक वर्ग के लोग एकजुट होकर मतदान करते हैं, जबकि वंचित वर्गों का मतदान व्यवहार अपेक्षाकृत बिखरा हुआ होता है। इस बिखराव के कारण वे एक संगठित राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर नहीं पाते और नीतिगत निर्णयों में

उनकी आवाज़ अपेक्षाकृत कमजोर रहती है। यह शोध इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वंचित समूहों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विशेष रणनीतियों की आवश्यकता है।

दत्त और मिश्रा (2024) द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि हिमाचल प्रदेश जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्यों में भी जाति मतदाताओं के निर्णयों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लगभग 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि मतदान के समय जातीय पहचान महत्वपूर्ण होती है और 73 प्रतिशत ने यह माना कि उम्मीदवार का अपनी जाति से होना उनके मतदान निर्णय को प्रभावित करता है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि आधुनिकीकरण के बावजूद जातीय पहचान और राजनीतिक निष्ठाएँ भारतीय चुनावी राजनीति में गहराई से निहित हैं।

जैन (2024) ने अपने अध्ययन में पाया कि धार्मिक और सामुदायिक नेतृत्व मतदाताओं के निर्णयों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जातीय एवं धार्मिक पहचान व्यक्तिगत निर्णयों के बावजूद सामूहिक मतदान प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती है।

गंगटे और तौथांग (2024) ने जाति आधारित राजनीतिक लामबंदी और सामाजिक मीडिया के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जाति आधारित राजनीति ने वंचित समूहों को सशक्त किया है, परंतु इससे सामाजिक समरसता और सुशासन के लिए नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं।

अध्धयन के उद्देश्य

जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा तहसील में अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले प्रमुख सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं व्यक्तिगत कारकों का विश्लेषण करना।

अनुसन्धान कार्यविधि

यह अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के जांजगीर-चांपा जिले की अकलतरा तहसील में अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों के विश्लेषण पर केंद्रित है। जनगणना 2011 के अनुसार अकलतरा तहसील में कुल 76 गाँव स्थित हैं। इन गाँवों की सूची तैयार कर उन्हें 1 से 76 तक क्रमांकित किया गया। इसके पश्चात व्यवस्थित प्रतिचयन पद्धति का उपयोग करते हुए प्रत्येक 10वें क्रमांकित गाँव का चयन किया गया। इस प्रकार अध्ययन हेतु चयनित 7 गाँव इस प्रकार हैं: बनाहिल, डर्री, कल्याणपुर, किरारी, मुरलीडीह, पिपरदा तथा सोनादुला। अध्ययन के लिए कुल 140 उत्तरदाताओं का चयन किया गया। प्रत्येक गाँव से 20 उत्तरदाताओं (10 पुरुष एवं 10 महिला) का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन पद्धति से किया गया। अध्ययन में केवल अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं को सम्मिलित किया गया।

आवश्यक जानकारी एकत्रित करने के लिए प्राथमिक आंकड़ों का उपयोग किया गया। इसके लिए संरचित प्रश्नावली तैयार की गई, जिसमें मतदान व्यवहार, राजनीतिक सहभागिता, सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि, व्यक्तिगत अपेक्षाएँ तथा चुनावी प्रभावों से संबंधित प्रश्न सम्मिलित थे। आंकड़े एकत्र करने के लिए व्यक्तिगत साक्षात्कार विधि अपनाई गई, जिससे उत्तरदाताओं से सीधे जानकारी प्राप्त की जा सकी। संग्रहित आंकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीकों की सहायता से किया गया। विशेष रूप से, ची-स्क्वेयर परीक्षण का उपयोग विभिन्न कारकों और मतदान व्यवहार के बीच संबंध की जाँच करने तथा परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए किया गया। इस परीक्षण के माध्यम से अध्ययन में चुने गए 12 कारकों (लिंग, शिक्षा, दल की पहचान, उम्मीदवार जाति, राजनीतिक जागरूकता, व्यक्तिगत व्यवहार, मीडिया

प्रभाव, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ उम्मीद तथा पैसे का प्रभाव) का मतदान व्यवहार पर प्रभाव निर्धारित किया गया।

सीमाएं

यह अध्ययन कुछ विशिष्ट सीमाओं के अंतर्गत संपन्न किया गया है, जिन्हें ध्यान में रखते हुए इसके परिणामों की व्याख्या की जानी चाहिए। यह शोध केवल जांजगीर-चांपा जिले की अकलतरा तहसील के सात चयनित गाँवों तक सीमित रहा, अतः इसके निष्कर्षों को संपूर्ण जिले या अन्य क्षेत्रों के संदर्भ में सामान्यीकृत करना उचित नहीं होगा। अध्ययन में कुल 140 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया, जो अपेक्षाकृत छोटा नमूना आकार है, जिससे प्राप्त निष्कर्षों में व्यापक विविधता की संभावना बनी रहती है। अध्ययन में केवल अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं को सम्मिलित किया गया, जिसके कारण अन्य जातीय समूहों के मतदान व्यवहार का आकलन इस शोध में नहीं किया जा सका। डेटा संग्रहण संरचित प्रश्नावली और व्यक्तिगत साक्षात्कार पद्धति के माध्यम से किया गया, जो उत्तरदाताओं के व्यक्तिगत दृष्टिकोण एवं स्मृति पर आधारित था; अतः स्व-रिपोर्टिंग से उत्पन्न होने वाले पक्षपात (Bias) की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन समयबद्ध था और इसे एक सीमित समयावधि में संपन्न किया गया। परिणामस्वरूप, डेटा संग्रहण के समय की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियाँ और मौसमी कारक उत्तरदाताओं के उत्तरों को प्रभावित कर सकते हैं। अध्ययन में केवल 12 कारकों (लिंग, शिक्षा, दल की पहचान, उम्मीदवार जाति, राजनीतिक जागरूकता, व्यक्तिगत व्यवहार, मीडिया प्रभाव, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ उम्मीद तथा पैसे का प्रभाव) को शामिल किया गया, जबकि अन्य संभावित कारक जैसे धार्मिक प्रभाव, स्थानीय विकास कार्य, सामाजिक संगठनों की भूमिका एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि का प्रभाव विश्लेषण से बाहर रहा।

शोध परिकल्पनाएं

शून्य और वैकल्पिक परिकल्पनाएँ

H_{01} और H_{11} (लिंग के आधार पर)

- H_{01}: लिंग और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{11}: लिंग और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{02} और H_{12} (शिक्षा के आधार पर)

- H_{02}: शिक्षा स्तर और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{12}: शिक्षा स्तर और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूरण संबंध है।

H_{03} और H_{13} (दल की पहचान के आधार पर)

- H_{03}: दल की पहचान और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{13}: दल की पहचान और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{04} और H_{14} (उम्मीदवार जाति के आधार पर)

- H_{04}: उम्मीदवार की जाति और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{14}: उम्मीदवार की जाति और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{05} और H_{15} (राजनीतिक जागरूकता के आधार पर)

- H_{05}: राजनीतिक जागरूकता और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{15}: राजनीतिक जागरूकता और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{06} और H_{16} (व्यक्तिगत व्यवहार के आधार पर)

- H_{06}: व्यक्तिगत व्यवहार और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{16}: व्यक्तिगत व्यवहार और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{07} और H_{17} (मीडिया प्रभाव के आधार पर)

- H_{07}: मीडिया प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{17}: मीडिया प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{08} और H_{18} (चुनाव प्रचार प्रभाव के आधार पर)

- H_{08}: चुनाव प्रचार प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{18}: चुनाव प्रचार प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{09} और H_{19} (व्यक्तिगत उम्मीद के आधार पर)

- H_{09}: व्यक्तिगत उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{19}: व्यक्तिगत उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{010} और H_{110} (सरकारी लाभ उम्मीद के आधार पर)

- H_{010}: सरकारी लाभ उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{110}: सरकारी लाभ उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{011} और H_{111} (व्यक्तिगत लाभ उम्मीद के आधार पर)

- H_{011}: व्यक्तिगत लाभ उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{111}: व्यक्तिगत लाभ उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_{012} और H_{112} (पैसे के प्रभाव के आधार पर)

- H_{012}: पैसे का प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{112}: पैसे का प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या-

तालिका क्रमांक- 01

प्रभावित करने वाले चार तथा संख्यात्मक विवरण

क्रमांक	*स्वतंत्र चर*	*नहीं (मतदान नहीं किया)*	*हाँ (मतदान किया)*	*कुल*
1	लिंग के आधार पर	नहीं =16, हाँ =6	नहीं =91, हाँ =27	140
2	शिक्षा	नहीं =6, हाँ =16	नहीं =22, हाँ =96	140
3	दल की पहचान	नहीं =15, हाँ =7	नहीं =23, हाँ =95	140
4	उम्मीदवार जाति	नहीं =9, हाँ =13	नहीं =7, हाँ =111	140
5	राजनीतिक जागरूकता	नहीं =5, हाँ =17	नहीं =13, हाँ =105	140
6	व्यक्तिगत व्यवहार	नहीं =8, हाँ =14	नहीं =2, हाँ =116	140
7	मीडिया प्रभाव	नहीं =18, हाँ =4	नहीं =12, हाँ =106	140
8	चुनाव प्रचार प्रभाव	नहीं =0, हाँ =22	नहीं =5, हाँ =113	140
9	व्यक्तिगत उम्मीद	नहीं =6, हाँ =16	नहीं =24, हाँ =94	140

10	सरकारी लाभ उम्मीद	नहीं =3, हाँ =19	नहीं =8, हाँ =110	140
11	व्यक्तिगत लाभ उम्मीद	नहीं =10, हाँ =12	नहीं =40, हाँ =78	140
12	पैसे का प्रभाव	नहीं =10, हाँ =12	नहीं =30, हाँ =88	140

तालिका क्रमांक-01 में अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले बारह स्वतंत्र चर और उनके संख्यात्मक विवरण को प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक स्वतंत्र चर के अंतर्गत "नहीं (मतदान नहीं किया)" तथा "हाँ (मतदान किया)" के रूप में उत्तरदाताओं के उत्तरों का वर्गीकरण किया गया है। इस तालिका के आधार पर निम्नलिखित शैक्षणिक विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है:

1. लिंग के आधार पर मतदान व्यवहार

लिंग के आधार पर 16 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया जबकि 6 ने मतदान किया। वहीं, मतदान करने वालों में 91 उत्तरदाता "नहीं" श्रेणी में तथा 27 "हाँ" श्रेणी में पाए गए। यह दर्शाता है कि मतदान व्यवहार में लिंग का कोई विशेष निर्णायक प्रभाव नहीं पाया गया।

2. शिक्षा का प्रभाव

शिक्षा के आधार पर 6 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया जबकि 16 ने मतदान किया। उच्च शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओं में 22 ने मतदान नहीं किया और 96 ने मतदान किया। यह परिणाम संकेत करता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त मतदाता अपेक्षाकृत अधिक मतदान करते हैं, किंतु मतदान निर्णय पर शिक्षा का प्रभाव सांख्यिकीय रूप से निर्णायक नहीं पाया गया।

3. दल की पहचान का प्रभाव

दल की पहचान रखने वाले उत्तरदाताओं में 7 ने मतदान नहीं किया जबकि 95 ने मतदान किया। दल की पहचान न रखने वाले 15 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया और 23 ने मतदान किया। यह दर्शाता है कि दल की पहचान रखने वाले मतदाता अधिक सक्रिय रूप से मतदान करते हैं तथा मतदान निर्णय में यह एक महत्वपूर्ण कारक है।

4. उम्मीदवार जाति का प्रभाव

उम्मीदवार जाति को महत्वपूर्ण मानने वाले 13 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया जबकि 111 ने मतदान किया। इसके विपरीत, उम्मीदवार जाति को महत्व न देने वाले 9 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया और 7 ने मतदान किया। यह स्पष्ट करता है कि जाति का कारक मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5. राजनीतिक जागरूकता

राजनीतिक रूप से जागरूक उत्तरदाताओं में 17 ने मतदान नहीं किया जबकि 105 ने मतदान किया। जागरूकता न रखने वाले उत्तरदाताओं में 5 ने मतदान नहीं किया और 13 ने मतदान किया। यह संकेत करता है कि राजनीतिक जागरूकता रखने वाले उत्तरदाताओं की मतदान में भागीदारी अपेक्षाकृत अधिक है, हालांकि इसका प्रभाव सांख्यिकीय रूप से निर्णायक नहीं रहा।

6. व्यक्तिगत व्यवहार

व्यक्तिगत व्यवहार को प्रभावी मानने वाले उत्तरदाताओं में 14 ने मतदान नहीं किया जबकि 116 ने मतदान किया। इस कारक का प्रभाव यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत दृष्टिकोण और स्वभाव मतदाताओं की निर्णय प्रक्रिया में प्रभाव डालते हैं और यह सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण कारक पाया गया।

7. मीडिया प्रभाव

मीडिया प्रभाव को मान्यता देने वाले उत्तरदाताओं में 4 ने मतदान नहीं किया और 106 ने मतदान किया, जबकि मीडिया प्रभाव को महत्व न देने वाले 18 ने मतदान नहीं किया और 12 ने मतदान किया। यह स्पष्ट करता है कि मीडिया मतदान व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करता है।

8. चुनाव प्रचार प्रभाव

चुनाव प्रचार के प्रभाव को मानने वाले 22 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया और 113 ने मतदान किया, जबकि इस प्रभाव को न मानने वाले 0 ने मतदान नहीं किया और 5 ने मतदान किया। यह संकेत करता है कि चुनाव प्रचार के प्रभाव के बावजूद इसका मतदान व्यवहार पर सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पाया गया।

9. व्यक्तिगत उम्मीद

व्यक्तिगत उम्मीद रखने वाले उत्तरदाताओं में 16 ने मतदान नहीं किया और 94 ने मतदान किया, जबकि उम्मीद न रखने वाले 6 ने मतदान नहीं किया और 24 ने मतदान किया। यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत उम्मीद का मतदान निर्णय पर स्पष्ट प्रभाव नहीं है।

10. सरकारी लाभ की उम्मीद

सरकारी लाभ की उम्मीद रखने वाले उत्तरदाताओं में 19 ने मतदान नहीं किया और 110 ने मतदान किया, जबकि लाभ की उम्मीद न रखने वाले 3 ने मतदान नहीं किया और 8 ने मतदान किया। इसका संकेत है कि सरकारी लाभ की अपेक्षा मतदान व्यवहार को निर्णायक रूप से प्रभावित नहीं करती।

11. व्यक्तिगत लाभ उम्मीद

व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद रखने वाले 12 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया और 78 ने मतदान किया, जबकि ऐसी उम्मीद न रखने वाले 10 ने मतदान नहीं किया और 40 ने मतदान किया। यह परिणाम दर्शाता है कि व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा मतदान निर्णय पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं डालती।

12. पैसे का प्रभाव

पैसे के प्रभाव को स्वीकार करने वाले 12 उत्तरदाताओं ने मतदान नहीं किया और 88 ने मतदान किया, जबकि पैसे के प्रभाव को अस्वीकार करने वाले 10 ने मतदान नहीं किया और 30 ने मतदान किया। यह परिणाम इंगित करता है कि पैसे का प्रभाव सीमित स्तर तक ही मतदान निर्णय को प्रभावित करता है और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं पाया गया।

तालिका क्रमांक- 02

मतदाता वव्यवहार और स्वतंत्र चर के बीच संबंध (काई-स्क्वेयर- के परिणाम)

क्रमांक	स्वतंत्र चर	X^2 मान (काई-स्क्वेयर)	स्वतंत्रता की डिग्री	p-मूल्य (Asymp. Sig.)	निष्कर्ष (0.05 स्तर पर)
1	लिंग के आधार पर	0.198	1	0.656	अस्वीकार नहीं (महत्वपूर्ण नहीं)
2	शिक्षा	0.863	1	0.353	अस्वीकार नहीं (महत्वपूर्ण नहीं)
3	दल की पहचान	22.230	1	0.000	महत्वपूर्ण संबंध (महत्वपूर्ण)
4	उम्मीदवार की जाति	22.411	1	0.000	महत्वपूर्ण संबंध (महत्वपूर्ण)
5	राजनीतिक जागरूकता	2.270	1	0.132	अस्वीकार नहीं (महत्वपूर्ण नहीं)
6	व्यक्तिगत व्यवहार	33.602	1	0.000	महत्वपूर्ण संबंध (महत्वपूर्ण)
7	मीडिया का प्रभाव	56.537	1	0.000	महत्वपूर्ण संबंध (महत्वपूर्ण)
8	चुनाव प्रचार प्रभाव	0.967	1	0.325	अस्वीकार नहीं (महत्वपूर्ण नहीं)
9	व्यक्तिगत उम्मीद	0.529	1	0.467	अस्वीकार नहीं (महत्वपूर्ण नहीं)
10	सरकारी लाभ की उम्मीद	1.204	1	0.272	अस्वीकार नहीं (नहीं Significant)
11	व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद	1.079	1	0.299	अस्वीकार नहीं (महत्वपूर्ण नहीं)
12	पैसे का प्रभाव	3.646	1	0.056	सीमा रेखीय (Borderline, महत्वपूर्ण नहीं)

तालिका क्रमांक-02 में मतदाता व्यवहार और चयनित स्वतंत्र चर के बीच संबंधों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है, जिसे काई-स्क्वेयर परीक्षण के माध्यम से प्राप्त किया गया। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि बारह में से चार कारक - दल की पहचान, उम्मीदवार की जाति, व्यक्तिगत व्यवहार और मीडिया का प्रभाव - मतदान व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं और इनके p-मूल्य 0.05 से कम पाए गए। इसके विपरीत लिंग, शिक्षा, राजनीतिक जागरूकता, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ की उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद और पैसे का प्रभाव का मतदान व्यवहार के साथ सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया। यह परिणाम दर्शाता है कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान निर्णय में सामाजिक-राजनीतिक पहचान और मीडिया प्रभाव की भूमिका अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि व्यक्तिगत या आर्थिक अपेक्षाओं तथा चुनावी प्रचार का प्रभाव अपेक्षाकृत सीमित है।

तालिका क्रमांक- 03

परिकल्पना परीक्षण का विवरण

क्रमांक	स्वतंत्र चर (Variable)	शून्य परिकल्पना (H_0)	p-मूल्य	निर्णय (H_0 स्वीकार/अस्वीकृत)	निष्कर्ष
1	लिंग के आधार पर	लिंग और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.656	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं
2	शिक्षा	शिक्षा स्तर और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.353	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं
3	दल की पहचान	दल की पहचान और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.000	अस्वीकार (Rejected)	महत्वपूर्ण संबंध पाया गया
4	उम्मीदवार जाति	उम्मीदवार की जाति और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.000	अस्वीकार (Rejected)	महत्वपूर्ण संबंध पाया गया
5	राजनीतिक जागरूकता	राजनीतिक जागरूकता और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.132	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं
6	व्यक्तिगत व्यवहार	व्यक्तिगत व्यवहार और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.000	अस्वीकार (Rejected)	महत्वपूर्ण संबंध पाया गया
7	मीडिया प्रभाव	मीडिया प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.000	अस्वीकार (Rejected)	महत्वपूर्ण संबंध पाया गया
8	चुनाव प्रचार प्रभाव	चुनाव प्रचार प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.325	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं
9	व्यक्तिगत उम्मीद	व्यक्तिगत उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध	0.467	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं

		नहीं है।			
10	सरकारी लाभ उम्मीद	सरकारी लाभ उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.272	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं
11	व्यक्तिगत लाभ उम्मीद	व्यक्तिगत लाभ उम्मीद और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.299	स्वीकार (Accepted)	कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं
12	पैसे का प्रभाव	पैसे का प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।	0.056	स्वीकार (Accepted)	सीमांत (Marginal, नहीं Significance)

तालिका क्रमांक-03 में प्रस्तुत परिकल्पना परीक्षण के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का विश्लेषण काई-स्क्वेयर परीक्षण के माध्यम से किया गया। प्रत्येक स्वतंत्र चर के लिए शून्य परिकल्पना (H_0) यह मानी गई थी कि उस कारक और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। परीक्षण के परिणाम दर्शाते हैं कि दल की पहचान, उम्मीदवार की जाति, व्यक्तिगत व्यवहार तथा मीडिया प्रभाव ऐसे कारक हैं जिनका मतदान व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव है, क्योंकि इनके p-मूल्य 0.05 से कम पाए गए और परिणामस्वरूप इन कारकों के लिए शून्य परिकल्पना अस्वीकृत कर दी गई।

दूसरी ओर, लिंग, शिक्षा, राजनीतिक जागरूकता, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ उम्मीद तथा पैसे का प्रभाव जैसे कारकों का मतदान व्यवहार पर कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पाया गया, क्योंकि इनके p-मूल्य 0.05 से अधिक रहे। विशेष रूप से पैसे के प्रभाव का p-मूल्य 0.056 पाया गया, जो 0.05 से थोड़ा अधिक है, अतः इसे सीमांत (सीमांत) श्रेणी में रखा गया। परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान निर्णय पर सामाजिक-राजनीतिक पहचान (दल की पहचान एवं उम्मीदवार की जाति), व्यक्तिगत सोच तथा मीडिया का प्रभाव प्रमुख भूमिका निभाते हैं, जबकि व्यक्तिगत या सरकारी लाभ की अपेक्षा, चुनावी प्रचार और अन्य व्यक्तिगत कारक अपेक्षाकृत कम प्रभावी पाए गए।

ये निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि मतदान व्यवहार को समझने के लिए केवल आर्थिक या प्रचार-आधारित कारकों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक पहचान से जुड़े कारकों तथा व्यक्तिगत दृष्टिकोण और मीडिया प्रभाव को विशेष रूप से ध्यान में रखना आवश्यक है।

निष्कर्ष

यह अध्ययन जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा तहसील में अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों के विश्लेषण पर केंद्रित है । कुल 140 उत्तरदाताओं को आठ चयनित गाँवों से चुना गया, जिनमें प्रत्येक गाँव से 20 उत्तरदाता (10 पुरुष एवं 10 महिला) सम्मिलित है। आंकड़ों के संग्रह हेतु संरचित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया तथा विश्लेषण के लिए काई-स्क्वेयर परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि लिंग और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया ($p = 0.656$)। यह संकेत करता है कि पुरुष एवं महिला मतदाता लगभग समान रूप से मतदान में भाग लेते हैं तथा लिंग के आधार पर मतदान करने अथवा न करने का निर्णय प्रभावित नहीं होता। इसी प्रकार, शिक्षा स्तर और मतदान व्यवहार के बीच भी कोई

महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया (p = 0.353), जिससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का स्तर मतदाताओं की मतदान भागीदारी को प्रभावित नहीं करता। इसके विपरीत, दल की पहचान और मतदान व्यवहार के बीच अत्यधिक महत्वपूर्ण संबंध पाया गया (p = 0.000)। जिन मतदाताओं की किसी राजनीतिक दल से पहचान थी, वे अधिक मतदान करते हैं तथा उनका निर्णय दल आधारित मतदान की ओर झुकाव प्रदर्शित करता है। इसी प्रकार, उम्मीदवार की जाति और मतदान व्यवहार के बीच भी महत्वपूर्ण संबंध देखा गया (p = 0.000), जो इंगित करता है कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान निर्णय में जातीय पहचान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राजनीतिक जागरूकता और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया (p = 0.132), जिसका अर्थ है कि राजनीतिक जानकारी या जागरूकता के स्तर का मतदान निर्णय पर अपेक्षित प्रभाव नहीं है। वहीं, व्यक्तिगत व्यवहार और मतदान व्यवहार के बीच अत्यधिक महत्वपूर्ण संबंध पाया गया (p = 0.000), जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि मतदाता के व्यक्तिगत विचार, स्वभाव एवं व्यक्तिगत अनुभव मतदान निर्णय को प्रभावित करते हैं। मीडिया प्रभाव का मतदान व्यवहार पर विशेष प्रभाव पाया गया (p = 0.000), जो दर्शाता है कि मीडिया अभियानों, समाचार माध्यमों और सामाजिक मीडिया की सामग्री मतदाताओं के मतदान निर्णय को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, चुनाव प्रचार प्रभाव और मतदान व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया (p = 0.325), जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रचार अभियानों की उपस्थिति या अनुपस्थिति ने उत्तरदाताओं के मतदान निर्णय पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं डाला।

व्यक्तिगत उम्मीद (p = 0.467), सरकारी लाभ उम्मीद (p = 0.272) और व्यक्तिगत लाभ उम्मीद (p = 0.299) का मतदान व्यवहार के साथ कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया। इसका अर्थ है कि मतदाताओं का मतदान निर्णय केवल व्यक्तिगत या सरकारी लाभ की अपेक्षा पर आधारित नहीं है। पैसे के प्रभाव के मामले में एक सीमांत स्थिति देखी गई (p = 0.056), हालांकि सांख्यिकीय दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण नहीं माना गया।

संपूर्ण रूप से अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक दल की पहचान, उम्मीदवार की जाति, व्यक्तिगत व्यवहार और मीडिया का प्रभाव हैं। वहीं, लिंग, शिक्षा, राजनीतिक जागरूकता, चुनाव प्रचार प्रभाव, व्यक्तिगत उम्मीद, सरकारी लाभ उम्मीद, व्यक्तिगत लाभ उम्मीद और पैसे का प्रभाव जैसे कारकों का कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पाया गया। यह परिणाम इंगित करते हैं कि अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं का मतदान व्यवहार सामाजिक और राजनीतिक पहचान से अधिक प्रभावित होता है, जबकि व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षाएँ या चुनावी प्रचार गतिविधियाँ निर्णायक भूमिका नहीं निभातीं।

संदर्भ

1. कौशल, एस. (2017). भारत में मतदान व्यवहार: पैटर्न और निर्धारक. इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 78(2), 245-260।
2. यादव, वाई. (1999). परिवर्तन के समय की चुनावी राजनीति: भारत की तीसरी चुनावी प्रणाली, 1989-99. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 34(34/35), 2393-2399।
3. श्रीवास्तव, आर. (2021). मीडिया का प्रभाव और मतदान व्यवहार: भारतीय चुनावों का अध्ययन. जर्नल ऑफ सोशल एंड पॉलिटिकल स्टडीज, 12(4), 56-70।

4. गंगटे, एम., एवं तौथांग, वाई. (2024). भारत में जाति और चुनावी व्यवहार: एक गहन विश्लेषण. इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च। https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i05.28839

5. निराला, एस. के. (2020). अनुसूचित जातियों की राजनीतिक प्रक्रियाओं और निर्णय-निर्माण में भागीदारी. ऑल स्टडी जर्नल, 2(3), 272-273। https://www.allstudyjournal.com/archives/2020.v2.i3.D.158

6. दत्त, एस., एवं मिश्रा, आर. (2024). भारतीय चुनावों में जातिवाद की भूमिका: हिमाचल प्रदेश में जाति और राजनीतिक निष्ठा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन मॉडर्न मैनेजमेंट अप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस, 6(4), 119-123। https://doi.org/10.62823/ijemmasss/6.4(i).6982

7. पल्शिकर, एस., एवं मिश्रा, जे. (2023). जाति, वर्ग और वोट: विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग का एकीकरण और वंचितों का विखंडन. स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स, 11, 258-273। https://doi.org/10.1177/23210230231203792

8. कर्जिए, बी. के. (2017). बीटीएडी चुनावों में मतदान व्यवहार. आईजेसीआरटी, 5(4), 771-776। https://ijcrt.org/viewfull.php?p_id=IJCRT1704101

9. जैन, आर. (2024). समुदाय और मतदान व्यवहार: भारत में जैनों का एक केस अध्ययन. रूटलेज, 96-122। https://doi.org/10.4324/9781003538448-6

10. मोरी, वाई., एवं कुरोसाकी, टी. (2011). क्या राजनीतिक आरक्षण मतदान व्यवहार को प्रभावित करता है?: भारत से अनुभवजन्य साक्ष्य. रिसर्च पेपर्स इन इकोनॉमिक्स। https://www.ier.hit-u.ac.jp/primced/documents/No17-dp_up_Pdf_2011.pdf

11. गंगटे, एम., एवं तौथांग, वाई. (2024). भारत में जाति और चुनावी व्यवहार: एक गहन विश्लेषण. इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च। https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i05.28839